NCERT SOLUTIONS

CLASS - 6TH

aglasem.com

Class : 6th

Subject : Hindi

Chapter : 06

Chapter Name : पार नज़र के

Q1 छोटू का परिवार कहाँ रहता था?

Answer. छोटू मंगल ग्रह पे रहता था, उसके साथ बहुत सारे लोग रहते थे। जिन सब का घर ज़मीन के नीचे बना था।

Page : 40 , Block Name : कहानी से

Q2 छोटू को सुरंग में जाने की इजाज़त क्यों नहीं थी? पाठ के आधार पर लिखो।

Answer. छोटू या फिर किसी भी व्यक्ति को उस सुरंग में जाने की इजाज़त नहीं थी क्योंकि उस सुरंग में निरीक्षक यंत्र लगे हुए थे। छोटू के पापा जहां काम करते थे वहाँ के माहौल में आम आदमी नहीं जी सकता था। वहाँ जाने के लिए स्पेस सूट पहन कर जाना पड़ता था।

Page : 40 , Block Name : कहानी से

Q3 कंट्रोल रूम में जाकर छोटू ने क्या देखा और वहाँ उसने क्या हरकत की?

Answer. छोटू जब कंट्रोल रूम गया तो उसने एक अंतरिक्ष यान देखा। छोटू के पापा ने उसे को कॉन्सोल दिखाया जिस पर बहुत सारे बटन थे। छोटू का पूरा ध्यान उसी पर था क्योंकि उसमें लाल बटन था वह छोटू को आकर्षित कर रहा था। छोटू ने वह लाल बटन दबा दिया जिससे खतरे की घंटी बज गयी। जिसकी वजह से उसके पापा ने थप्पड़ भी मारा।

Page : 40 , Block Name : कहानी से

Q4 इस कहानी के अनुसार मंगल ग्रह पर कभी आम जन-जीवन था। वह सब नष्ट कैसे हो गया? इसे लिखो।

Answer. एक समय था जब अपने मंगल ग्रह पर पर सभी लोग ज़मीन के ऊपर ही रहते थे। सूरज से रोशनी मिलती थी और जीवों को पोषण भी। बगैर किसी खास किस्म की पोशाक के, ज़मीन पर रहा करते थे। सूरज में परिवर्तन होते ही प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया। पशु-पक्षी, पेड़-पौधें और अन्य जीव उस बदलाव को सहने में असमर्थ हो गए और धीरे-धीरे मरने लगे जिससे वहाँ का सारा जन-जीवन अस्त व्यस्त हो गया।

aglasem.com

Page : 40 , Block Name : कहानी से

Q5 कहानी में अंतरिक्ष यान को किसने भेजा था और क्यों?

Answer. पृथ्वी के वैज्ञानिकों ने अपने एक अंतरिक्ष यान को नासा (नेशनल एअरोनोटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) के द्वारा भेजा था ताकि वह मंगल की मिट्टी के नमूनों को एकत्र करके पृथ्वी पर जांच के लिए मंगवा सके, और उसकी जाँच कर सकें।

Page : 40 , Block Name : कहानी से

Q6 नंबर एक, नंबर दो और नंबर तीन, अजनबी से निबटने के कौन तरीके सुझाते हैं और क्यों?

Answer. कालोनी की सुरक्षा की पूरी ज़िम्मेदारी नंबर एक पर थी | नंबर एक का कहना था कि इस अजनबी यान में केवल यंत्र हैं। यदि वह खुद व खुद ज़मीन पर उतर जाए तो हम इसे बेकार करने की क्षमता रखते हैं।

नंबर दो एक वैज्ञानिक थे। उनकी राय में यंत्रो को बेकार कर देने में भी खतरा है क्योंकि यंत्रो को बेकार करते ही लोग हमारे बारे में सब जान जाएंगे | इसलिए हमें इनका अवलोकन करते रहना चाहिए|

नंबर तीन सामाजिक व्यवस्था का काम देखते थे | उनकी राय में -"जहाँ तक हो सके, हमें अस्तित्व को छुपाए ही रखना चाहिए, क्योंकि हो सकता है जिन लोगों ने ये अंतरिक्ष यान भेजे हैं, वे कल को इनसे भी बड़े सक्षम अंतरिक्ष यान भेजें। हमें यहाँ प्रबंध कुछ इस तरह रखना चाहिए जिससे इन यंत्रों को यह गलतफहमी हो कि इस जमीन पर कोई भी चीज़ इतनी महत्त्वपूर्ण नहीं है कि जिससे वे लाभ उठा सकें। "

aglasem.com

Page : 40 , Block Name : कहानी से

Q7 (क) दिलीप एम. साल्वी

(ख) जयंत विष्णु नार्लीकर

(ग) आइज़क ऐसीमोव

(घ) आर्थर क्लार्क

ऊपर दिए गए लेखकों की अंतरिक्ष संबंधी कहानियाँ इकट्ठी करके पढ़ो और एक-दूसरे को सुनाओ। इन कहानियों में कल्पना क्या है और सच क्या है, इसे समझने की कोशिश करो। कुछ ऐसी कहानियाँ छाँटकर निकालो, जो आगे चलकर सच साबित हुई हैं।

Answer. छात्र स्वयं करे।

Page : 41 , Block Name : कहानी से आगे

Q8 इस पाठ में अंतरिक्ष यान अजनबी बनकर आता है।'अजनबी' शब्द सोचो? इंसान भी कई बार अजनबी माना जाता है और कोई जगह या शहर भी। क्या तुम्हारी मुलाकात ऐसे किसी अजनबी से हुई है? नए स्कूल का पहला अनुभव कैसा था? क्या उसे भी अजनबी कहोगे? अगर हाँ तो 'अजनबीपन' दूर कैसे हुआ? इस पर सोचकर कुछ लिखो।

Answer. एक बार मैं मेरे पापा और मेरी मम्मी दिल्ली गए थे घूमने। वो शहर मेरे लिए बिल्कुल अजनबी था, न वहाँ के किसी आदमी को मैं जानता था न उस शहर को। पूरे एक हफ़्ते रहे होंगे हम, वह एक एक प्रसिद्ध जगह घूमे तथा जाना उसके इतिहास को। हमारे साथ जो व्यक्ति था वो भी अजनबी था, जो हमे दिल्ली घुमा रहा था। पापा ने उसको विशेष रूप से हमारे सैर के लिए ही बुलाया था। एक हफ्ते में उस आदमी ने खुद से और दिल्ली से दोनों से हमारी अजनबियत दूर कर दी।

Page : 41 , Block Name :कहानी से आगे

Q9 यह कहानी जमीन के अंदर की जिंदगी का पता देती है। जमीन के ऊपर मंगल ग्रह पर सब कुछ कैसा होगा, इसकी कल्पना करो और लिखो?

Answer. मंगल ग्रह पर सूरज में परिवर्तन होते ही प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया। अब वहाँ बिना यंत्रो की सहायता के रहना नामुमकिन हैं। अब वहाँ न हवा है, न पेड़ पौधे। मंगल ग्रह पर रेगिस्तान जैसी स्थिति होगी।आया

aglasem.com

Page : 41 , Block Name : अनुमान और कल्पना

Q10 यह कहानी ज़मीन के अंदर की ज़िंदगी का पता देती है। ज़मीन के ऊपर मंगल ग्रह पर सब कुछ कैसा होगा, इसकी कल्पन ा करो और लिखो।

Answer. बच्चे स्वयं करे।

Page : 41 , Block Name : अनुमान और कल्पना

Q11 मान लो कि तुम छोटू हो और यह कहानी किसी को सुना रहे हो तो कैसे सुनाओगे? सोचो और 'मैं' शैली में कहानी सुनाओ।

Answer. मेरा घर जमीन के नीचे बना हुआ था। मैं हमेशा ज़मीन के ऊपर देखना चाहता था। पर ऊपर जाना बस कुछ ही लोगो को अलाऊ था। मैंने अपने पापा का सिक्योरिटी पास लेकर चुपके रास्ते से जाना चाहता था। ऊपर जाने का एक ही रास्ता था और उसके लिए मेरे पास कार्ड था, जैसे ही सुरंग से बने खाँचे में मैंने कार्ड डाला और दरवाजा बंद हो गया। यंत्र में कुछ संदेहास्पद हरकत हुई और एक दूसरे यंत्र ने मेरी तसवीर खींच ली। तभी

सिक्योरिटी गार्ड आ गए और मुझे पकड़कर वापस मेरे घर छोड़ दिया। फिर पापा ने बताया कि मंगल ग्रह पर कभी जमीन जैसा ही जीवन था, लेकिन सूर्य में आए परिवर्तन के कारण प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया। और इसीलिए ऊपर सांस लेना मुश्किल है। उसके लिए खास तरह का सूट है।

ऊपर रहने वाले सारे जीव धीरे धीरे मरने लगे, इस कदर सर्दी बढ़ गयी कि ऊपर जीवन जीना कठिन हो गया। मनुष्यों के अलावा बाकी जीव खत्म होने लगें। फिर हमनें ऊनी विशेष तकनीक के सहायता से ज़मीन के नीचे अपना घर बनाया और उसे अपने तरीके से चलाया।

कंप्यूटर पर एक यान दिखाया। काफी देर बाद ज़मीन पर वह यान उतरा, उसके अंदर से एक यांत्रिक चीज़ निकली जो हाथ के जैसा था। यह देखना मेरे लिए रोमांचक था। हम सब इस दृश्य को कंप्यूटर पर देख रहे थे। अचानक मेरी नज़र कॉन्सोल पर एक लाल बटन पर पड़ी जिसे दबाने की मेरी उतेजना बढ़ गयी और मैंने दबा दिया। आवाज़ को सुनकर उससे हाथ मे अपना काम करना बंद कर दिया। वहाँ खड़े विशेषग्यों ने तुरंत उसे ठीक कर दिया। पृथ्वी के व्यज्ञानिक उस हाथ को ठीक किया और फिर से वह हाथ काम करने लगा , वह ज़मीन से मिट्टी खोद रहा था। इस मिट्टी के नमूने के ज़रिए पृथ्वी के लोग यह जानने का प्रयास करेंगे कि मंगल पर जीवन संभव है कि नही।

Page : 41 , Block Name : अनुमान और कल्पना

Q12 ‘वार्तालाप’ शब्द वार्ता + आलाप के योग्य से बना है। यहाँ वार्ता के अंत का ‘आ’ और ‘आलाप’ के आरंभ का ‘आ’ मिलने से जो परिवर्तन हुआ है, उसे संधि कहते हैं। नीचे लिखे कुछ शब्दों में किन शब्दों की संधि है

(i) शिष्टाचार

(ii) श्रद्धांजलि

(iii) दिनांक

(iv) उत्तरांचल

(v) सूर्यास्त

(vi)अल्पाहार

Answer.

(i) शिष्टाचार = शिष्ट + आचार

(ii) श्रद्धांजलि = श्रद्धा + अंजलि

(iii) दिनांक = दिन + अंक

(iv) उत्तरांचल = उत्तर् + अंचल

aglasem.com

(v) सूर्यास्त = सूर्य + अस्त

(vi) अल्पाहार = अल्प + आहार

Page : 41 , Block Name : भाषा की बात

Q13 कार्ड उठाते ही दरवाजा बंद हुआ।

यह बात हम इस तरीके से भी कह सकते हैं जैसे ही कार्ड उठाया, दरवाज़ा बंद हो गया।

ध्यान दो कि दोनों वाक्यों में क्या अंतर है। ऐसे वाक्यों के तीन जोड़े आप स्वयं सोचकर लिखो।

Answer. (i) पापा के आते ही, राम खेलने चला गया,

⇒ जैसे ही पापा आए, राम खेलने चला गया।

(ii) रमेश के आते ही, बिजली आई।

⇒ जैसे ही रमेश आया, बिजलीआ गई।

(iii) बाहर निकलते ही, धूप चली गई।

⇒ जैसे ही बाहर निकला, धूप चली गई।

aglasem.com

Page : 41 , Block Name : भाषा की बात

Q14 छोटू ने चारों तरफ़ नज़र दौड़ाई।

छोटू ने चारों तरफ़ देखा।

उपर्युक्त वाक्यों में समानता होते हुए भी अंतर है। मुहावरे वाक्यों को विशिष्ट अर्थ देते हैं। ऐसा ही मुहावरा पहली पंक्ति में दिखाई देता है। नीचे दिए गए वाक्यांशों में नज़र' के साथ अलग-अलग क्रियाओं का प्रयोग हुआ है, जिनसे मुहावरे बने हैं। इनके प्रयोग से वाक्य बनाओ।

(i) नजर पड़ना

(ii) नज़र रखना

(iii) नज़र आना

(iv) नज़रें नीची होना

Answer.

(i) नज़र पड़ना- अचानक मेरी नज़र एक विचित्र पक्षी पर पड़ी जो उल्टा उड़ रहा था।

(ii) नज़र आना - मेरी आँखों से आजकल कम नजर आता है।

(iii) नज़र रखना - परीक्षा हॉल में हर विद्यार्थी पर नजर रखनी पड़ती है।

(iv) नज़रें नीची होना - बेटे की करतूत से माता-पिता की नजरें नीची हो गईं।

Page : 42 , Block Name : भाषा की बात

Q15 नीचे एक ही शब्द के दो रूप दिए गए हैं। एक संज्ञा है और दूसरा विशेषण है। वाक्य बनाकर समझो और बताओ कि इनमें से कौन से शब्द संज्ञा हैं और कौन से विशेषण।

आकर्षक – आकर्षण

प्रेरणा – प्रेरक

प्रभाव – प्रभावशाली

प्रतिभाशाली – प्रतिभा

aglasem.com

Answer.

आकर्षक(विशेषण)- वो पुरुष बहुत आकर्षक था, जिसने वो कारनामा दिखाया।

आकर्षण (संज्ञा)– इस तस्वीर में बहुत आकर्षण है।

प्रभाव (संज्ञा)—उनका अपने क्षेत्र में प्रभाव है।

प्रभावशाली (विशेषण)-वह इस क्षेत्र के प्रभावशाली व्यक्ति हैं।

प्रेरणा (संज्ञा)-महान लोगों की कथाएँ हमें प्रेरणा देती हैं।

प्रेरक (विशेषण)-महान लोगों की कथाएँ प्रेरक होती हैं।

प्रतिभाशाली (विशेषण)-नेहा प्रतिभाशाली है।

प्रतिभा (संज्ञा)-नेहा में प्रतिभा है।

Page : 42 , Block Name : long answer questions

aglasem.com